अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

नारीलोक

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

अंक 274 | पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान) | मई 2021

ऊर्जावाणी

महाश्रमण मुनि मुदित कुमार आचार्य महाप्रज्ञ के गण संचालन के कार्य में सतत सहयोगी रहे तथा स्वयं गण संचालन की योग्यता विकसित करें।

आचार्य श्री तुलसी

श्रमण से कोई महाश्रमण कब बनता है? महाश्रमण, श्रमण तो थे पर महाश्रमण कैसे? उत्तर होगा – जिस व्यक्ति में उपशम है, समता है और श्रम है, वह इनका विकास करता हुआ, अपने को विशिष्ट और प्रकृष्ट बनाता हुआ एक दिन महाश्रमण की अर्हता प्राप्त कर लेता है, महाश्रमण बन जाता है। उनमें श्रम की प्रकृति, समता का प्रकर्ष और उपशम का प्रकर्ष भी है। इसलिए महाश्रमण तो वे स्वभाव और प्रकृति से ही है। मैं बार–बार इस बात को दोहराना चाहूंगा कि महाश्रमण ने अपने दायित्व को निभाने में कभी एक क्षण के लिए भी ढिलाई नहीं बरती। बड़ी तन्मयता और योग्यता के साथ ये अपने दायित्व को निभा रहे हैं। यह मेरे लिए सौभाग्य और प्रसन्नता की बात है। एंटीबॉडी के निर्माण का कार्य संघ के विकास के लिए बहुत जरूरी है। इस कार्य के संपादन और संचालन में महाश्रमण अपनी शक्ति का नियोजन करते रहेंगे, यह सबसे बड़ा संदेश है। मैं कभी किसी की कोरी प्रशंसा नहीं करता। मेरा इसमें विश्वास भी नहीं है, मैंने जो कहा, वह शिष्याभाव के कारण कोरी प्रशस्ति नहीं, शिष्य के परिश्रम और पुरुषार्थ का मूल्यांकन है।

आचार्य श्री महाप्रज्ञ

- यदि मन मंदिर में ईमानदारी देवी की प्रतिष्ठा हो जाये तो अन्य देवी–देवता तो स्वयं आकृष्ट हो सकते हैं।
- धन के अर्जन में नैतिकता, रक्षण में अनासक्ति और उपयोग में संयम व विवेक हो तो अर्थ सार्थक हो सकता है।
- सत्य लगने वाली बात को भी शांति के साथ प्रस्तुत करो। आवेश अपने आप में ही असत्य ही है।
- तात्कालिक लाभ को अधिक महत्व मत दो। धैर्य रखो व दीर्घकालिक लाभ पर चिन्तन को केन्द्रित करो।
- जो स्वयं पर अनुशासन नहीं कर सकता और न ही अपने स्वामी के अनुशासन में रह सकता है, वह दुःख मुक्त कैसे बन सकता है?
- विवेक के अभाव में शक्ति का दुरुपयोग भी हो सकता है, इसलिए तुम अपने विवेक को जागृत करो।

आचार्य श्री महाश्रमण

महाश्रमण ! उत्क्रमण करो तुम, नव इतिहास बनाओ,
महासृजन से सीधे जुड़कर, योगक्षेम मनाओ।
महाश्रमण ! संक्रमण करो तुम, जन–जन मन–प्रांगण में,
धर्मसंघ–सौरभ फैलाओ, धरती के कण–कण में।।

साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा

महान साधक आचार्य श्री महाश्रमण के जन्मोत्सव एवं पट्टोत्सव पर संपूर्ण महिला समाज द्वारा

भावभीनी अभिवंदना

हे तेरापंथ के सर्वोच्च शिखर, वन्दन है, अभिवन्दन है !
जन्मोत्सव-पट्टोत्सव की मंगल बेला में पुलकित मन है !!

माँ नेमा-झूमर के राजदुलारे, दृगड़ कुल उजियारे
रत्नगर्भा धरा सरदारशहर की, आलोक दीप वारे
बलिहारी सूरज-चाँद-तारे, वात्सल्य-माधुर्य वारे
सौम्य-सुसंस्कारी, देदीप्यमान मोहन-आनन है !
जन्मोत्सव-पट्टोत्सव की मंगल बेला में पुलकित मन है !!

दीक्षा-प्रदाता मुनि सुमेर, साक्षी श्री समवसरण मुदित नव नाम
गुरु तुलसी-महाप्रज्ञ निरखे तेरापंथ का भविष्य अभिराम
हे अहिंसा के पुजारी एकादशमाधिशास्ता हो अध्यात्म-धाम
महातपस्वी महाश्रमण से दीपित वैश्नव गण उपवन है !
जन्मोत्सव-पट्टोत्सव की मंगल बेला में पुलकित मन है !!

दसों आचार्यों की अध्यात्म गण सम्पदा से शोभित भाल
अणुव्रत-समन्वयता-नशामुक्ति का लक्ष्य-ध्वज विशाल
हे देव ! तव पद-रज पाकर गाँव-गली और नगर निहाल
यशोगाथा कर्मयोगी की, महके देश-विदेश ज्यों चन्दन है !
जन्मोत्सव-पट्टोत्सव की मंगल बेला में पुलकित मन है !!

धवल सेना नायक आगे बढ़े, दुर्गम पथ बना सुगम
दिव्य रश्मियाँ भास्कर की, पराभूत हुआ अज्ञान तम
सिद्धान्त-पथ पर पगलिए अंकित करे श्रम-श्रम-श्रम
जन-मन झंकृत करे, मंद मुस्कान और मधुर वचन है !
जन्मोत्सव-पट्टोत्सव की मंगल बेला में पुलकित मन है !!

मैं ना जानूँ, भाव-अलंकरणों की भेंट कैसे आज चढ़ाऊँ
उपमाएँ सारी निःशब्द हुईं, कहो ! कैसे तुम्हें मैं उपमाऊँ
मैं सौभागी जिन शासन पाकर, गुरु चरणों में शीश नवाऊँ
देव ! वर दो, संघ समर्पिता रहूँ सदैव, विनयी पुष्प मन है !
जन्मोत्सव-पट्टोत्सव की मंगल बेला में पुलकित मन है !!

अध्यक्षीय

बनें अन्नपूर्णा

प्रिय बहनों,

सादर जय जिनेन्द्र,

कोविड-19 हमें जीवन की कई बातों का महत्व समझा रहा है जैसे रिश्तों का महत्व, पैसों का महत्व, रोजगार का महत्व, भोजन का महत्व।

भोजन हमारी प्राथमिक आवश्यकता है। कई लोगों ने इस पांडेमिक में अपना रोजगार खो दिया और उनके भूखे सोने की नौबत आ गई। वहीं दूसरी ओर हम देखते है कि हर साल लाखों टन अन्न हम कूड़े कचरे के डब्बे में डालते हैं। इग्लैंड में जितना खाना वहाँ के लोग साल भर में खाते हैं उतना खाना हम हर साल कचरे में डालते हैं। कभी रख रखाव की कमी की वजह से तो कभी जरूरत से ज्यादा समान भरने की वजह से, कभी आडम्बर व दिखावे की वजह से, कभी सार्वजनिक उत्सवों की वजह से, कभी सावर्जनिक उत्सवों की वजह से या कभी उसके रंग रूप सही ना होने की वजह से हम अन्न को खाने के कचरे में फैंक देते हैं। भारत जैसे देश में जहां लाखों लोग भूखे सोते हैं, वहाँ ऐसे आंकड़े हैरान करने वाले हैं। खाने की बर्बादी रोकने के लिए सार्थक प्रयासों की आवश्यकता है। सभी स्वयं सेवी संस्थाओं को आगे आकर भोजन के अपव्यय को रोकने की कोशिश करनी होगी। भोजन का अपव्यय हर धर्म में पाप माना गया है। हमारी संस्कृति में अन्न को देवता माना जाता है फिर भी हम जब किसी शादी पार्टी में जाते हैं तो सब कुछ भूल जाते हैं शहर की पार्टियों में भोजन की बर्बादी एक आम बात बन गई है। पूरे विश्व में एक तरफ लोग दाने दाने के मोहताज है, कुपोषण के शिकार है वहीं रोज लाखों टन खाना बर्बाद किया जाता है। बच्चों में शुरु से ही यह आदत डालनी चाहिए कि उतना ही थाली में लें, जितनी भूख हो। खाने की बर्बादी में भारत का दुनिया में 7वां नम्बर है। झूठे भोजन की वजह से कचरे में बढ़ोतरी होती है जिससे स्वच्छता पर भी असर आता है गन्दगी फैलती है और अनेक बिमारियों को पोषण मिलता है।

जूठा अन्न जाता है नाली में, क्यों नहीं जाए गरीबों की थाली में।।

हम अपने साधु-साध्वियों को देखते है उन्हें जितना खाना होता है उतना ही गृहस्थों से लेते हैं कभी नमक ज्यादा या कम, कड़वा या किसी तरह से बेस्वाद खाना अपनी झोली में आ जाता है वे उन्हें फैंकते नहीं बल्कि खाते हैं। हमारे परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी अपने प्रवचन में में अनेक बार प्रेरणा देते हैं कि हमें अन्न की बर्बादी नहीं करनी चाहिए इसलिए नहीं कि पैसा बर्बाद होता है, अनेक गरीब भूखे सोते हैं बल्कि इस लिए कि कर्मों का बहुत ज्यादा बंध होता है। फेंका हुआ खाना सड़ता है जीव पैदा होते हें फिर वो मरते हैं इस प्रकार कर्मों का बंध होता है।

इतना ही नहीं खाने की बर्बादी से दुनिया गर्म हो रही है नए शोध से पता चला है कि खाने की बर्बादी की वजह से ग्रीन हाउस गैसों में 8 फीसदी का इजाफा होता है। इसकी वजह से ग्लोबल वार्मिंग की समस्या बढ़ रही है। भारत में हर साल एक लाख करोड़ का अन्न बर्बाद हो जाता है संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत में पैदा होने वाला 40 प्रतिशत भोजन व्यर्थ हो जाता है भारतीय करेंसी में इसकी कीमत करीब 67 लाख करोड़ आंकी जाती है। भारत में 19.44 करोड़ ऐसे लोग है जिन्हें दोनों वक्त भोजन नसीब नहीं होता। इनमें से ज्यादातर भूखे ही सो जाते हैं।

बचे हुए भोजन का सदुपयोग करें, जरूरत मंद लोगों के लिए उपयोग करें।

भारत में अन्न को भगवान माना जाता है। बर्बादी तो छोड़िए अनादर करना भी पाप माना जाता है हमारे पूर्वज खाना खाने के बाद थाली में पानी डालकर उसको पूरी तरह से साफ करके वो पानी पी लेते थे।

भोजन को बर्बाद कम करने से एक बड़ा लाभ यह है कि हमारे पैसे भी बचते हैं और उस बचे हुए भोजन से हजारों लाखों भूखों को भोजन मिल जायेगा। भोजन हम अपनी ना समझी के कारण भी बर्बाद करते हैं हम एक सूची बनाकर हर महिने आवश्यकतानुसार खरीदे तो अनावश्यक बर्बादी नहीं होती है। खाने की बर्बादी को रोकने की दिशा में महिलाएं बहुत कुछ कर सकती है क्योंकि अनाज शाक-सब्जियों को खरीदने से लेकर बनाने की जिम्मेदारी लगभग महिलाओं की ही होती है। अतः हम सभी को मिलकर सामाजिक चेतना लानी होगी। हमें संकल्पित होना होगा कि हम अन्न की बर्बादी को रोकेंगें। सही अर्थों में अन्नपूर्णा बनकर दिखायेंगें।

भोजन बनाती सदा से नारी, भोजन बचाना समझो जिम्मेदारी।

अक्षय तृतीया का पावन पर्व, भगवान ऋषभ का अपने पौत्र के हाथों इक्षुरस से बारह महिनों की तपस्या के बाद पारणा जैन जगत के लिए अनूठा इतिहास बन गया। हम भी उस उत्सव के आराधक बनें, वर्षीतप करने वाले सभी तपस्वियों को साधुवाद देते हैं, उनके तप की अनुमोदना करते हैं और ये कामना करते हैं कि हम वर्षी तप तो नहीं कर सकते पर छोटे-छोटे तप कर अपना आत्मोत्थान करने का प्रयास करें। अभी करोना महामारी ने भयंकर रूप धारण कर रखा है पूरी दुनियां में त्राहि-त्राहि मच रही है तो हम ज्यादा से ज्यादा सामायिक, जप, ध्यान, एकासन, पोरसी आदि करने का प्रयास करें।

आपकी

पुष्पा बैद

करणीय कार्य

जैन धर्म में अन्न का अपव्यय पाप माना गया है, वही यह भी मान्यता है कि भोजन झूठा ना छोड़ने से आध्यात्मिक लाभ भी मिलता है। झूठे भोजन की वजह से कचरे में बढ़ोतरी होती हैं स्वच्छता पर असर होता है, इन्ही उदेश्यों के साथ अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल ने अपनी समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत 28 अप्रैल को प्रस्तुत किया अपना नवीनतम प्रोजेक्ट अन्नपूर्णा .. **clean plate campaign** ताकि भोजन का अपव्यय रुके। इस दिन 30 देशों से भी ज्यादा का कार्यक्रम एक साथ हुआ है। इस कार्यक्रम को एक साथ 28 अप्रैल को उद्घाटन करना है तथा पूरे मई महिने में अपनी सहभागिता दर्ज करानी है।

बहनों हमें भी अन्नपूर्णा के अंतर्गत Learn-Unlearn-Relearn करना है निम्न 7 R's को।

LEARN -

Reduce ... हमे भोजन के खपत को कम करना होगा,बिना वजह के खाने को reduce करना होगा।

Resolve.... करना है, संकल्पित होना है कि अब हम भोजन का अपव्यय नहीं होने देंगे।

UNLEARN -

Refuse.... प्लेट में लेने से मना करके खाने को नाली में फेकने से रोकना होगा।

Rot... कहीं हमारी लापरवाही से अन्न सड़ तो नहीं रहा,हमे ध्यान रखना होगा।

RELEARN -

Rethink .... याने फिर से चिंतन करना होगा कि क्या हम सही मायने में अन्नपूर्णा हैं।

Recycle...Reuse.... अपनी क्रिएटिविटी के साथ हमें बचे हुए खाने को recycle और reuse करना होगा।

आओ हम अपनी इस सशक्त पर्यायवाची शब्द अन्नपूर्णा को और भी सार्थक बनाएं। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के इस प्रयास से स्वयं भी जुड़ें और औरों को भी प्रेरणा दें।

कंठस्थ ज्ञान

इस बार कल्याण मंदिर स्त्रोत का 25 वें श्लोक से लेकर 28 वें श्लोक तक याद करने का लक्ष्य रखें।

इस बार 18 वें तीर्थंकर श्री अर प्रभु की गीतिका याद करने का लक्ष्य रखें।

अन्नपूर्णा

28 April - Stop Food Wastage Awareness Day

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत प्रोजेक्ट

''अन्नपूर्णा''

भूखी सोती आधी आबादी, रोकनी होगी अन्न की बर्बादी।
अब ना होगा अन्न का नुकसान, abtmm का यह आह्वान,
बहुआयामी कार्यक्रमों के साथ, देंगे इस अभियान को अंजाम।

अपनी सुरक्षा का रखते हुए ख्याल, आयोजित करें वर्चुअल कार्यशाला।

1. भोजन में झुठा ना छोड़ने के आध्यात्मिक लाभ पर चिंतन वार्ता।
2. अन्नपूर्णा प्रोजेक्ट के थीमसोंग और video का प्रचार प्रसार।
3. FB पर सेल्फी इमेज pledge प्रमोशन।
4. सही स्टोरेज से रोके अन्न का wastage इस पर प्रायोगिक प्रशिक्षण ।
5. ज्ञानशाला, कन्यामण्डल व सभी से अन्नपूर्णा संकल्प से google form भराए ।
6. रेस्टोरेंट कैटरिंग वालों के यहां पोस्टर, स्टीकर और डाइनिंग मैट्स का वितरण।
7. Leftover का makeover यानि बचे हुए भोजन को reuse करें क्रिएटिविटी से और बनें मिस अन्नपूर्णा।

मिस अन्नपूर्णा प्रतियोगिता के virtual आयोजन में कन्यामण्डल और महिलामंडल दोनों भाग ले सकती हैं ज़मींकंद का प्रयोग नहीं करना है। आपके एरिया में बचे हुए खाने को जरूरतमंद लोगो तक पहुंचाने वाले स्वयंसेवी संस्थानों NGO के नंबर की लिस्ट अपनी बहनों से शेयर करें। आपकी रसोई आपका स्वास्थ्य ये e-बुक साथ मे भेज रहें हैं...जो बहनों के लिए बहुत उपयोगी होंगी।

आओ इस संकल्प के साथ करें नयी शुरुवात। 28 अप्रैल को इस कार्यक्रम का शुभारंभ करना है। पूरे मई के महीने में कभी भी आप इस कार्यक्रम को आयोजित कर सकते हैं 31 मई तक अपनी रिपोर्ट कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती जयश्री बड़ाला मो. 9867 486 848 को प्रेषित करें।

हो जगत में अन्न ही है देव ईश्वर, अन्न की हो इज्जत
अन्न का अनादर कर तू जाएगा कहां.....।। हो जगत में.....
आधी ही दुनिया देखो भूखे ही पेट सोए-2
रोटी मिले ना उनको, कितना ही रोए-धोए-2।। हो बन्धू रे.....
तू ही तो अपराधी है क्यूं उनका भाग्य खोए।
कूड़े में फैंके खाना जाएगा कहां। हो जगत में.....
पार्टी प्रदर्शन दर्शन कोई भी इन्विटेशन-2
हो कोई थाली हजार की हो या फिर कोई फंक्शन। हो जगत में.....
तू ही तो पालक इसका, तू ही संचालक है
रोटी बिन चले ना जीवन, जीवन का संवाहक है। हो बन्धू रे.....
नारी अन्नपूर्णा देवी जिसकी निमयिक है
मत कर इतनी नादानी जाएगा कहां
गुरुवर कहे संभल अज्ञानी जाएगा कहां.....

(तर्ज - हो बहुरे ताल मिले नदी के जल में)

समणी कमलप्रज्ञा
डोम्बीवली-मुम्बई

Fb par upload ...Add your image ..Project promotion

E book by
Ms. Vibha Baid

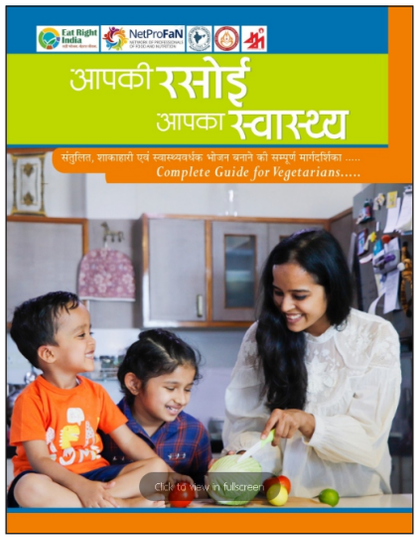

Aapki Rasoi aapka Swasthya' is an easy guide to good food, safety and nutritious practice for our Vegetarian kitchens. We hope that it becomes a trusted companion and part of all Indian households. Happy Reading!!

https://online.fliphtml5.com/jrbeh/hnbt/

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
के निर्देशन में
समृद्ध राष्ट्र योजना
के अंतर्गत
अन्नपूर्णा
A Clean Plate Campaign
अन्नपूर्णा
देश के एक तिहाई भोजन का हो रहा नुकसान
अन्नपूर्णा बन रोकें भोजन का अपव्यय
ABTMM का आह्वान

अन्नपूर्णा
ANNAPURNA...
READ, THINK AND ACT
WASTE NOT, WANT NOT
food
TOO GOOD TO WASTE
FOOD WASTE
BE A FOOD WASTE WARRIOR!
LOVE FOOD HATE WASTE
An Initiative By
AKHIL BHARTIYA TERAPANTH MAHILA MANDAL

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
के निर्देशन में
अन्नपूर्णा
अन्नपूर्णा का मानो कहना
भोजन को झूठा छोडो ना
प्रसारक - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल.........

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
के निर्देशन में
पिकनिक पार्टी या शादी
ना हो अन्न की बर्बादी
अन्नपूर्णा
प्रसारक - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल.........

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
के निर्देशन में
उपयोग ज्यादा wastage कम
क्लीन प्लेट रखेंगे हम
अन्नपूर्णा
प्रसारक - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल.........

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
के निर्देशन में
अन्नपूर्णा
भूखी सोती आधी आबादी
रोको रोको अन्न की बर्बादी
प्रसारक - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल.........

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
के निर्देशन में
मानव धर्म की क्या पहचान
अन्न का आदर करें इंसान
अन्नपूर्णा
प्रसारक - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल.........

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
के निर्देशन में
हर पेट खाये भरपेट
हर प्लेट रहे क्लीन प्लेट
अन्नपूर्णा
प्रसारक - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल.........

कन्यामंडल करणीय कार्य

प्यारी बेटियों,

सादर जय जिनेन्द्र

आशा है आप सभी पूर्ण स्वस्थ है। आप सभी के उत्तम स्वास्थ्य की मंगल कामना। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर नव युग का निर्माण करने वाले युग नायक प्रथम तीर्थकर भगवान ऋषभप्रभु को शत्-शत् नमन।

प्यारी बेटियों ! समय आ गया है कि हम अपने अंदर छुपी अन्नपूर्णा का उजागर कर इस कठिन समय में राष्ट्र के प्रति एक अहम् भूमिका निभाएं। कोविड-19 में जहां सुलभ खाद्य पदार्थों का मिलना दिन-प्रतिदिन दुर्लभ होता जा रहा है, वहाँ यदि हम अन्न का सही उपयोग नहीं करेंगे तो आने वाली पीढ़ी से पहले हम स्वयं इसके कड़वे परिणामों का साक्षात्कार कर रहे होंगे। इस गहन चिंतन को ध्यान में रखते हुए अभातेममं के निर्देशन में कन्या मंडल की सभी शाखाओं को स्थानीय महिला मंडल के साथ मिलकर ''समृद्ध राष्ट्र योजना'' के अन्तर्गत

अन्नपूर्णा

(A Clean Plate Campaign)

का 28 अप्रैल 2021 को आगाज करते हुए पूरे मई महिने में अपनी सहभागिता दर्ज करानी है।

मई माह का करणीय बिन्दु :

1. 'सही स्टोरेज से रोकें अन्न का Wastage'' विषय पर प्रायोगिक प्रशिक्षण लें।
2. झूठा छोड़ने का त्याग कर FB पर Selfie Image Pledge Promotion करें।
3. अन्नपूर्णा संकल्प Google Form को सभी Age Group के लोगों से भरवाएं।
4. अन्नपूर्णा प्रोजेक्ट के Theme Song, Video, Poster, Sticker और ''आपकी रसोई-आपका स्वास्थ्य'' E-Book को ज्यादा से ज्यादा लोगों को Whatsapp, FB, Instragram आदि Social Media से पहुँचाएं।
5. ''Leftover का Makeover कर खाद्य पदार्थों को Re-use कैसे करें'' पर एक Creative Compitition with Name Ms Annapurna का Virtual आयोजन करें।

नोट : जमीकंद का प्रयोग न करें।
31 मई तक हमें इस Project की रिपोर्ट अवश्य भेजें

6. ''परम की ओर प्रस्थान - करें छोटे छोटे प्रत्याख्यान'' अक्षय तृतीया के दिन एकासन कर कर्म निर्जरा का लाभ लेवें।

EVOLVE

ETM

Evolve The Masterpiece

इस माह दिनांक 16 मई 2021 रविवार को Evolve कार्यशाला का आयोजन करने जा रही है मुम्बई कन्या मंडल। सभी कन्या मंडल से विनम्र अनुरोध शत् प्रतिशत Virtually उपस्थिति दर्ज करावें।

EVOLVE *कार्यशाला का आयोजन*

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एवं अखिल भारतीय तेरापंथ कन्या मंडल के निर्देशन में दिनांक 17 अप्रैल 2021 शनिवार को तेरापंथ कन्या मंडल, नोएडा ने यू.पी. व हरियाणा क्षेत्रीय Evolve कार्यशाला का आयोजन किया। ज़ूम पर आयोजित इस कार्यशाला का विषय था – Tech Talk- Decoding the Digital Chakravyuh। कार्यक्रम का मंगल प्रारंभ गुरुदेव के मंगल पाठ से किया गया। नोएडा कन्या मंडल की कन्याओं ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। अ भा ते म मं कार्यकारिणी सदस्य, U.P. व हरियाणा प्रभारी तथा नोएडा महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती अर्चना जी भंडारी ने सभी का स्वागत, अभिनंदन किया। स्वागत गीत नोएडा कन्या मंडल ने प्रस्तुत किया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद ने सभी कन्याओं को संबोधित करते हुए डिजिटल माध्यमों को सावधानीपूर्वक इस्तेमाल करने की सलाह दी। Evolve गीत की प्रस्तुति हिसार (हरियाणा) की कन्या मंडल ने दी। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल महामंत्री श्रीमती तरुणा जी बोहरा ने कन्याओं को लीक से हटकर कुछ नया करके अपना विकास करने की सलाह दी। नोएडा कन्या मंडल ने विषय पर एक बहुत ही अनुपम प्रस्तुति दी। मुख्य वक्ता साईबर साइकोलॉजिस्ट श्रीमती निराली भाटिया ने विषय की विस्तृत जानकारी दी और समझाया कि डिजिटल दुनिया में किन-किन सावधानियों को रखना अत्यंत आवश्यक है । फरीदाबाद कन्या मंडल ने भी विषय पर सुन्दर प्रस्तुति दी। अखिल भारतीय तेरापंथ कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती रमनजी पटावरी ने नोएडा कन्या मंडल को बधाई दी और विषय को अत्यंत प्रासंगिक बताया। कन्या मंडल राष्ट्रीय संयोजिका सुश्री याशिका खटेड़ ने उदाहरणों के माध्यम से डिजिटल दुनिया से किस तरह जागरूक रहकर सामंजस्य बैठाया जाए, यह बताया। कार्यशाला के विशेष अतिथि- स्वदेशी टेक ऐप बनाने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता नोएडा के चिराग भंसाली ने विषय से संबन्धित कई प्रश्नों को समाहित किया। नोएडा कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती सुमन जी सिपानी ने सभी का अभिवादन किया और कन्याओं को निरंतर संभल कर आगे बढ़ने – जीवन में Evolve करने की सलाह दी। नोएडा कन्या मंडल संयोजिका दृष्टि बैद ने कन्या मंडल की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। आभार ज्ञापन महिला मंडल मंत्री श्रीमती प्रीति तातेड़ ने किया। कार्यक्रम का अत्यंत ही सुंदर एवं कुशल संचालन संयोजिका दृष्टि बैद एवं सह संयोजिका अनुष्का तातेड़ ने किया।

Ms. Annapurna...

.....Leftover ka Makeover!

कुकिंग कंपटीशन के नियम:

1) व्यंजन का 3/4 th भाग बचा हुआ भोजन अर्थात रोटी सब्जी चावल.. कुछ भी हो सकता हैं।

2) प्रेजेंटेशन, नुट्रिशनल वैल्यू और क्रिएटिविटी के आधार पर जजमेंट होगा।

3) आपको व्यंजन बनाते हुए 3 min का वीडियो बनाना हैं, महिला मण्डल का लोगो chefcap पर हो n आपका नाम व एरिया का नाम क्लियर टाइप किया हुआ हो ।

4) व्यंजन jain रेसिपी होनी चाहिए।

5) कन्यामण्डल प महिलामंडल की बहने अलग अलग या साथ साथ भी भाग ले सकती हैं।

6) महानगर और बड़े क्षेत्र 2 सर्वश्रेष्ठ और छोटे क्षेत्र 1 सर्वश्रेष्ठ वीडियो भेजे।

7) अपनी प्रविष्ठी का वीडियो आपको व्हाट्सप्प पर 25 मई 2021 तक 9867486848 पर भेजनी होंगी।

8) निर्णायकों का नियम अंतिम निर्णय होगा।

आचार्य तुलसी कृर्तत्व पुरस्कार

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का गौरवशाली सम्मान आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार

प्रिय बहिनों, व सुधिजनों ,

नारी जाति के महान उन्नायक, तेरापंथ धर्म संघ के नवम आचार्य तुलसी की पुण्यस्मृति में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक, राजनीतिक ,तथा आध्यात्मिक सेवाओं के द्वारा अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाली महिला व्यक्तित्व को यह विशिष्ट पुरस्कार प्रदत किया जाता है। इसके अन्तर्गत चयनित महिला व्यक्तित्व को सम्मान पत्र, मोमेंटो व 1,00,000 की राशि का चैक संस्था से दिया जाता है, इस वर्ष भी यह पुरस्कार संभवतः श्रद्धेय आचार्य महाश्रमण जी की सान्निधि में भीलवाड़ा चातुर्मास में दिये जाने की योजना है। अतः आप सभी से हार्दिक निवेदन है कि आपके क्षेत्र में अथवा आपकी जानकारी में कोई महिला व्यक्तित्व हो तो आप हमें उनके baiodata प्रेषित करें ,साथ में आपका पत्र भी हो। जिससे हम आपके नाम से चयन समिति में वह प्रस्ताव रख सके।

कृपया 10 may तक आप भेजने का प्रयास करें । आप biodata email or watsup पर भेजें। सम्पर्क सूत्र – 98311434360 Email id - suraj bardia 317gmail.com.

निवेदक : सूरज बरड़िया, निर्देशिका – आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार

तत्व मंथन कार्यशाला -विषय तिर्यक लोक

11 अप्रैल 2021 को अ.भा.ते.म.मं. के तत्वाधान में तत्व मंथन की चौथी वर्चुअल कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ हमारी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद के स्नेहमयी एवं ओजस्वी वाणी के साथ हुआ। आपने प्रधान ट्रस्टी श्रीमती शांता जी पुगलिया एवं सभी पदाधिकारी गणों सहित धर्मप्रेमी बंधुओ का स्वागत किया। आज की तत्त्व मंथन कार्यशाला की मुख्य वक्ता श्राविका गौरव, जैन स्कॉलर निर्देशिका,प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित हमारी सम्माङ्नीय डॉ मंजू जी नाहटा ने अपने गहन अध्ययन से संजोकर सजाए तत्त्व के मोतियों से कार्यशाला को अलंकृत किया।आपने बताया कि हम अपने चौदह रत्नो के द्वारा अंतर शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर मोक्षगामी बन सकते है।

आपने ब्रह्मांड के स्वरूप की सटीक व्याख्या करते हुवे जम्बूद्वीप की स्थिति को चित्रों के माध्यम से समझाया। वहां के हर छोटे –छोटे प्रदेश, नदियाँ, पर्वत के साथ जम्बूद्वीप की लम्बाई, चौड़ाई, क्षेत्रफल, आकार, परिधि की जानकारी दी। जम्बूद्वीप में ही तीर्थंकर व् चक्रवर्ती के उत्पन्न व मोक्ष की स्थिति के बारे में गहनता से समझाया। चक्रवती के चौदह रत्न की तरह ही श्रावक को भी चौदह रत्न प्राप्त है। जो इस जन्म के साथ –साथ आगे के जन्मों तक साथ चलते है।

अंत में राष्ट्रीय महामंत्री श्री मति तरुणा जी बोहरा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा –

जैन धर्म का एक ही सार
तत्त्व ज्ञान से बने महान।।

तत्त्व प्रचेता डॉ मंजू जी नाहटा के साथ सभी धर्म अनुरागी बंधुओ के प्रति आभार व कृतज्ञता।।

साधारण सभा का आयोजन

सभी शाखा मंडल 15 जून से 15 जुलाई तक स्थानीय स्तर पर साधारण सभा एवं वार्षिक अधिवेशन आयोजित करें। यह वर्ष मनाव वर्ष है। सभी शाखा मंडल एक महिने पूर्व एक मीटिंग आयोजित करें। जिसमें मनाव की तारीख तय करें एवं चुनाव अधिकारी नियुक्त करें। अध्यक्ष के लिए दो कार्यकाल का व मंत्री के लिए एक कार्यकाल का अनुभव होना जरूरी है। अतः स्नेहमयी वातावरण में मनाव की प्रक्रिया से नए नेतृत्व के लिए योग्य कार्यकर्ता को मनोनीत करें। करोना महामारी के चलते द्रव्य, क्षेत्र, काल व भाव को देखते हुए कार्यक्रम आयोजित करें। नए नेतृत्व के लिए शुभकामना मंगलभावना।

संवर्धन कार्यशाला

हरियाणा, उत्तर प्रदेश स्तरीय कार्यशाला

दिनाँक 27 मार्च 2021 को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल नोएडा ने विषय एकता के अंतर्गत उत्तर प्रदेश व हरियाणा के 25 क्षेत्रों के साथ मिलकर संवर्धन कार्यशाला आयोजित की।

पूज्य प्रवर के मंगल पाठ से प्रारंभ हुई इस कार्यशाला में अ भा ते म म ट्रस्टी मधु जी दूगड़ ने नवकार मंत्र का उच्चारण किया और कार्यशाला आयोजन के लिए शुभकामना दी । अखिल भारतीय की हरियाणा प्रभारी श्रीमती नीतू जी पटावरी ने साध्वी प्रमुखाजी के संदेश का वाचन किया और कार्यक्रम की सफलता के लिए मंगलकामनाएं की। आचार्य श्री तुलसी द्वारा रचित गीतिका पर नोएडा महिला मंडल ने एक वीडियो के माध्यम से मंगलाचरण प्रस्तुत किया। भावना चौका प्रभारी श्रीमती पुष्पा जी बोकड़िया ने भावना चौका के बारे में बताया। अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य एवं हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं नोएडा महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती अर्चनाजी भंडारी ने zoom व फेसबुक से जुड़े हुए सभी अतिथियों का अभिवादन किया। उ .प्र. व हरियाणा के सभी क्षेत्रों ने मिलकर रंगारंग स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पाजी बैद ने जीवन के विभिन्न आयामों में एकता की उपयोगिता को समझाया। संवर्धन गीत नोएडा और फरीदाबाद महिला मंडल की बहनों ने मिल कर प्रस्तुत किया ।

Houston, Texas से समणीजी द्वय पुण्यप्रज्ञा जी एवं जिज्ञासप्रज्ञा जी ने मंगल उद्बोधन में फरमाया कि सब के प्रति प्रमोद भावना रखने से आत्मा और परमात्मा एक बन सकते हैं। विषय का प्रतिपादन करते हुए तेरापंथी महासभा के उपाध्यक्ष श्री सुखराज जी सेठिया ने संघीय व्यवस्था में एकता को मूलभूत आधार बताया।

हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश के क्षेत्रों ने मिलकर साध्वीश्री डॉ कुंदन रेखाजी द्वारा रचित गीत पर सुंदर प्रस्तुति देकर एकता का संदेश दिया। महामंत्री तरुणाजी बोहरा ने जीवन में होने वाले छोटी छोटी घटनाओं से एकता का पाठ पढ़ने की प्रेरणा दी। हंसी की फुहार लिए संवर्धन शो के अंतर्गत नोएडा की गतिविधियों की रिपोर्ट दिखाई गई और एकता पर एक नाटिका भी प्रस्तुत की गई। सभी को रंगारंग वीडियो के माध्यम से होली की शुभकामनाएं दी गईं। धन्यवाद ज्ञापन सहमंत्री श्रीमती कुसुमजी जैन और कार्यक्रम का संचालन मंत्री प्रीति तातेड़ ने किया।

दिल्ली, पंजाब स्तरीय कार्यशाला

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में दिल्ली व पंजाब महिला मंडल द्वारा संवर्द्धन कार्यशाला दिनांक 10 अप्रैल को ऑनलाइन आयोजित की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुदेव के मंगल पाठ से किया गया। चीफ ट्रस्टी श्रीमती सुशीला जी पटावरी ने नमस्कार महामंत्र का उच्चारण किया। मंडल की बहिनों द्वारा मंगलाचरण हुआ। पंजाब प्रभारी उषाजी जैन ने असाधारण साध्वी प्रमुखाश्रीजी के संदेश का वाचन किया।

दिल्ली अध्यक्ष श्रीमती निर्मला जी कोठारी ने सभी का स्वागत व अभिनंदन किया और बताया कि सकारात्मक सोच को हम अपने जीवन मे कैसे उतारें।

प्रशस्ति पत्र देकर राष्टीय अध्यक्ष आदरणीय पुष्पा जी व राष्ट्रीय महामंत्री आदरणीय तरुणा जी का स्वागत किया गया। भावना चौके हेतु ढाई लाख रुपया दिल्ली महिला मंडल द्वारा अखिल भारतीय में दिए गए।

पूर्व चीफ ट्रस्टी श्रीमती सायर जी बैंगानी ने पॉज़िटिविटी को एक स्टोरी के माध्यम से समझाया। सहमंत्री श्रीमती प्रेम भंसाली ने विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास जी गोयल के संदेश का वाचन किया। युवती मंडल प्रभारी शिल्पा जी बैद ने दिल्ली के बहु आयामी इतिहास की जानकारी दी। साथ ही युवतियों द्वारा दिल्ली भ्रमण स्वागत गीतिका की प्रस्तुति दी।

प्रेरणा पाथेय- बहुश्रुत साध्वी श्री कनक श्री जी, शासन श्री साध्वी जयप्रभा जी, डां साध्वी कुंदन रेखा जी एवं लंदन से समणी प्रतिभा प्रज्ञा जी द्वारा दिया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय श्रीमती पुष्पा जी बैद ने कहा सकारात्मक सोच से समाज, देश व राष्ट्र में प्रगति कर सकते हैं एवं कार्यक्रम की सराहना करते हुए सभी को बधाई व धन्यवाद दिया।

मुख्य वक्ता श्रीमान के.सी.जैन साहब ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर सकारात्मक सोच के बारे में बहुत ही सुंदर ढंग से बताया। संवर्धन गीत की बहुत ही सराहनीय प्रस्तुति महिला मंडल एवं कन्या मंडल द्वारा की गई।

महामंत्री आदरणीय श्रीमती तरुणा बोहरा ने कई उदाहरणों के माध्यम से बताया कैसे हम सकारात्मक सोच के साथ जिएं।

अखिल भारतीय से एवं दिल्ली प्रभारी श्रीमती सुनीता जी जैन ने दिल्ली की क्षेत्रीय रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में बताया की अखिल भारतीय के निर्देशन में दिल्ली महिला मंडल ने वह सभी कार्य किए जो उन्हें दिए गए थे। युवती मंडल एवं कन्या मंडल द्वारा सकारात्मक सोच पर लघु नाटिका प्रस्तुत की गई।

पंजाब की प्रभारी श्रीमती मंजू जी भूतोड़िया ने 36 क्षेत्र के कार्यों का विवरण दिया। पंजाब के क्षेत्रों ने सकारात्मक सोच पर वीडियो द्वारा विचार प्रस्तुत किए। पंजाब के अन्य क्षेत्रों से जुड़े अध्यक्ष मंत्री, दिल्ली सभा के अध्यक्ष श्री मान जोधराज जी बैद, मंत्री डालमचन्द जी बैद, महासभा उपाध्यक्ष श्रीमान सुखराज जी सेठिया, TPF, युवक परिषद, मंडल के सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, संयोजिकाओं सभी गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति सराहनीय रही।

आभार ज्ञापन प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती यशा बोथरा द्वारा किया गया। सफल संयोजन किया दिल्ली की कर्मठ मंत्री श्रीमती मंजू जैन ने।

अभातेममं द्वारा संवर्धन – श्रुतज्ञान में कार्यशाला

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा ''श्रुतज्ञान'' संवर्धन कार्यशाला जूम (ऑनलाइन) पर आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारंभ परम पूज्य गुरुदेव के मंगलपाठ से किया गया। चीफ ट्रस्टी श्रीमती शांता पुगलिया ने नमस्कार महामंत्र का उच्चारण किया। चैन्नई महिला मंडल की बहिनों द्वारा संवर्धन मंगलाचरण किया गया। ट्रस्टी श्रीमती कनकजी बरमेचा ने असाधारण साध्वी प्रमुखाश्री जी के संदेश का वाचन किया। संरक्षिका श्रीमती सायर जी बैंगानी ने

शुभकामनायें प्रेषित की व तेरापंथ दर्शन/तत्वज्ञान योजना के बारे में बताया। अभातेममं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया व आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत तत्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम से जुड़े सभी भाई-बहिनों को धन्यवाद दिया। ट्रस्टी श्रीमती सूरज बरड़िया ने इस योजना से जुड़े अपने अनुभव बताये व मुख्य अतिथि श्रीमान् सुमतिचन्द जी गोठी का परिचय दिया। आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के प्रायोजक श्रीमान् सुमतिचन्द जी गोठी ने कहा छोटे-छोटे त्याग की वृत्ति हमारे जीवन को सफल बना सकती है और उन्होंनें इस योजना के पोषण के लिए 9,00,000 का अनुदान दिया। तत्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम से जुड़ी डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। श्रीमती कुसुम बैंगानी ने तेरापंथ दर्शन के बारे में संक्षेप में सारगर्भित बातें बताई। श्रीमान् सुशील जी बाफना ने सोशल मीडिया ग्रुप के संचालन के बारे में बताया व उनसे जुड़े प्रशिक्षकों को धन्यवाद दिया। जिन्होंने तत्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन कोर्स कर लिया है और आज वे इस योजना से जुड़े है, प्रशिक्षक है-उनमें श्रीमती दीपाली जी सेठिया-चैन्नई, उर्मिला जी सुराणा-बैंगलोर, सरला जी सुराणा - कोलकाता, श्रीमती पुखराज जी सेठिया - कोलकाता, शांति बांठिया - कोलकाता ने अपने अनुभव प्रस्तुत किये। महामंत्री श्रीमती तरूणा बोहरा ने सभी को मोटिवेट किया व उदाहरण के माध्यम से बताया कि किस प्रकार हम अपने जीवन में श्रुतज्ञान का विकास कर सकते हैं। व्यवस्थापिका मीना सिंघवी - मुम्बई, कांदीवली ने अपने विचार रखे। असाधारण साध्वी प्रमुखाश्री जी द्वारा रचित बहुत सुन्दर तत्वज्ञान गीत की प्रस्तुति दी गई। तत्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन निर्देशिका श्रीमती पुष्पा जी बैंगानी ने तत्वविज्ञ कोर्स के बारे में बताया व योजना से संबंधित महत्वपूर्ण बातें व जिज्ञासाओं का समाधान दिया एवं सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। आभार ज्ञापन कोषाध्यक्ष एवं इस योजना से जुड़ी श्रीमती रंजू जी लुणिया ने किया। तत्वज्ञान के बारे में राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती मंजु भूतोड़िया ने जानकारी दी एवं कार्यशाला का कुशल संचालन किया।

चारित्रात्माओं की तत्वज्ञान परीक्षा

चारित्रात्माओं की तत्त्वज्ञान की परीक्षा दिनांक 26 अगस्त व 29 अगस्त 2021 को है। तत्त्वविज्ञ की परीक्षा भी 26 अगस्त व 29 अगस्त 2021 को है। आपके क्षेत्र में साध्वीश्रीजी व समणी वृंद परीक्षा देना चाहते हैं तो निर्देशिका श्रीमती पुष्पा जी बैंगानी या राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती मंजु भूतोड़िया को सूचित करें।

श्रीमती पुष्पा बैंगानी - 9311250290 श्रीमती मंजु भूतोड़िया - 9312173434

आभार

तत्त्वज्ञ श्राविका श्रीमती रतनी देवी, श्रीमान सुमति जी - श्रीमती सुमन श्री गोठी ने तत्व प्रचेता तथा तेरापंथ प्रचेता योजना हेतु 9,00,000/- रूपये की राशी प्रदान की और पूर्व प्रदत राशी को मिलाकर 51,00,000/- की कर दी। आपके इस आर्थिक संपोषण के लिए अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल हार्दिक आभार ज्ञापित करता है।

विशेष निर्देश

तत्त्वज्ञान तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम एवं जैन स्कॉलर प्रशिक्षण योजना से बहिनों को जोड़ने का अधिक से अधिक प्रयास करें। मूल्यांकन के आधार में इन दोनों प्रशिक्षण उपक्रमों को विशेष स्थान दिया जा रहा है। अतः शाखा मंडल जागरुकता का परिचय दें।

हर वर्ष अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सीता देवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार प्रदान किया जाता है। सभी क्षेत्रों से निवेदन है कि आप अपने क्षेत्र से अपने समाज की प्रबुद्ध एवं विशिष्ट पहचान वाली महिला का परिचय पत्र के साथ नामांकन अवश्य भेजें।

आचार्य तुलसी सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र

अहमदाबाद

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल अहमदाबाद द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत होली के पावन अवसर पर साबरमती केंद्रीय विद्यालय में आचार्य तुलसी सिलाई प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की गई। जिसका मुख्य उद्देश्य कन्याओ को स्वावलंबी बनाना और रोजगार के अवसर प्रदान करना है। साबरमती केंद्रीय विद्यालय के प्रिंसिपल अभिजीत सर, श्रीमती बसंती देव CC कोऑर्डिनेटर, रामेंद्र पाल HINDI सीनियर अध्यापक ने कहा कि विद्यालय की 550 कन्याएं लाभान्वित होगीं व सिलाई सीखकर आत्म निर्भर व स्वावलंबी बनेंगी। प्रिंसिपल सर ने प्रशस्ति पत्र देकर तेरापंथ महिला मंडल का मान बढ़ाया व आभार व्यक्त किया। अध्यक्ष मनीता चोपड़ा ने सभी का हार्दिक स्वागत किया व साथ ही मंत्री प्रतीक्षा सुतरिया, सहमंत्री संगीता बांठिया, सह मंत्री सुमन कोठारी, शिक्षा प्रभारी शशी चोपड़ा, श्रीमती सरोज देवी बोथरा, श्रीमती सरिता लोढा आदि कार्यकर्ताओं की उपस्थिति मे मंत्रोच्चार एवं कुमकुम तिलक के साथ सेंटर का शुभारंभ किया गया।

मशीनों के प्रायोजक देवानूप्रिय सुंदर देवी छगन राज जी खतंग रहे। इस प्रोजेक्ट की संयोजिका सरिता लोढ़ा है। संस्था सभी के प्रति आभार ज्ञापित करती है।

8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर समृद्ध राष्ट्रीय योजना के अंतर्गत WG GHR में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल अहमदाबाद द्वारा 10 सिलाई मशीन जरूरतमंद बहनों को वितरण कर समाज सेवा का उल्लेखनीय कार्य किया

इस कार्य हेतु महिला मंडल की बहनें भारती जी चिंडालिया, अंजू जी दूगड़,मंजू जी दूगड़, विशाखा दफ़्तरी घर में बहनों को मशीन प्रदान करने गई। सभी जरूरतमंद बहनों ने समाज सेवा के इस कार्य हेतु प्रसन्नता जाहिर करते हुए मशीन प्राप्ति से रोजगार मिलने से आत्मसंतुष्टि प्राप्त की। तेरापंथ महिला मंडल अहमदाबाद का धन्यवाद ज्ञापन किया। WG GHR में तेरापंथ महिला मंडल अहमदाबाद की संक्षिप्त जानकारी भारती जी चिंडालिया द्वारा दी गई। प्रायोजक परिवार श्रीमती सावित्री देवी –रायचंद जी लुनिया। महिला मंडल अध्यक्ष मनिता जी चोपड़ा ने सहृदय धन्यवाद ज्ञापित किया।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल अहमदाबाद द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत 11 मार्च 2020 महाशिवरात्री के शुभ अवसर पर शाहीबाग क्षेत्र में आचार्य तुलसी सिलाई प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की गई। जिसका मुख्य उद्देश्य बहनों को स्वावलंबी बनाना और रोजगार के अवसर प्रदान करना है। शासन श्री साध्वी रतन श्री के मुखारबिंदु से मंगल पाठ का श्रवण करने के पश्चात जूली अपार्टमेंट में अध्यक्ष मनीता जी चोपड़ा, मंत्री प्रतीक्षा सुतरिया, सहमंत्री संगीता बांठिया, सह मंत्री सुमन कोठारी, शिक्षा प्रभारी शशी जी चोपड़ा व सुनीता नाहर आदि कार्यकर्ताओं की उपस्थिति मे मंत्रोच्चार एवं कुमकुम तिलक के साथ सेंटर का शुभारंभ किया गया !

मशीनों के प्रायोजक श्रीमती बबीता दिनेश जी कोठारी रहे। (फैशन डिजाइनर) सिलाई प्रशिक्षक स्नेहलता जी छाजेड़ ने भी अनेक बहनों को सिलाई सिखा कर स्वावलंबी बनाने का लक्ष्य रखा है। संस्था सभी के प्रति आभार ज्ञापित करती है।

हैदराबाद

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अन्तर्गत 27 मार्च को रामगोपालपेट में आचार्य तुलसी सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना की गई। जिसका मुख्य उद्देश्य बहनों को, स्वावलंबी बनाना और रोजगार के अवसर प्रदान करना है। नमस्कार महामंत्र के उच्चारण के साथ मशीनों पर कुमकुम तिलक से शुभारंभ किया गया। श्रीमती संतोष गुजरानी इस आचार्य तुलसी सिलाई केन्द्र में प्रशिक्षण देंगी। अध्यक्ष प्रेम जी पारख, उपासिका सरला पी भूतोड़िया, पूर्व अध्यक्ष रीता जी सुराणा, मंत्री अंजू चौरड़िया व चंदा जी दुगड़ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

भीलवाड़ा

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में नित नए आयामों के साथ निरंतर गतिशील भीलवाड़ा महिला मंडल द्वारा समृद्ध राष्ट्र परियोजना के अंतर्गत नवरात्रि के पावन अवसर पर लेबर कॉलोनी पांसल चौराए पर सुगना सुथार के आवास पर आचार्य तुलसी रोजगार सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन मंगल मंत्रोच्चार के साथ किया गया। तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संचालित तुलसी कल्याण कोष में जिन बहनों ने अपनी प्रशस्त एवं उर्वर सोच रखकर अर्थ का विसर्जन किया उन सभी बहनों का सार्थक प्रयास ही आज एक उन्नत लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक बना। इस केन्द्र का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वालंबी बनाना है। सक्षम बहनों के विसर्जन की भावना से अनेक असक्षम बहनों को अपनी जिंदगी संवारने का सशक्त माध्यम मिलेगा। कोविड महामारी की वजह से इसकी स्थापना वृहद स्तर पर नहीं की गईं लेकिन वृहद उद्देश्य की भावना से शुरु किया केन्द्र आगे जाकर विस्तृत पैमाने पर काम करेगा। वार्ड नंबर 12 के पार्षद हेमंत शर्मा ने ऐसा आश्वासन दिया। मशीनों की शुरुआत कुमकुम लगाकर तथा मोली बांधकर की गई। सभी को मिठाई व गुड़ का वितरण किया गया। महिला मंडल अध्यक्ष विमला रांका ने सभी के प्रति कृतज्ञता की भावना व्यक्त करते हुए इस केन्द्र की सफलता की कामना की। मंत्री रेणु चोरड़िया, उपाध्यक्ष मीना बावेल, पूर्व अध्यक्ष प्रमिला गोखरू, बसंता मेहता, दिलखुश सिंघवी, चंदा बाबेल, नीलम लोढ़ा, सुमन दुगड़, किरण ओस्तवाल आदि की उपस्थिति रही।

दासरहल्ली

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल टी दासरहल्ली द्वारा हिरिया गवर्नमेंट स्कूल में साध्वी श्री लावण्या श्री जी के सानिध्य में सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन जैन संस्कार विधि से किया गया।

कर्मठ कार्यकर्ता एवं जागरूक सुश्रावक श्रीमान लादूलाल जी बाबेल एवं बाबेल परिवार द्वारा उद्घाटन किया गया। मुख्य प्रायोजक के रूप में प्रतिष्ठित श्रावक श्रीमान भगवतीलाल जी मांडोत, मोहनलाल-रत्ना जी मांडोत रहे। अकिंताजी पितलीया व पूर्णिमाजी कठोतिया द्वारा मंगलाचरण किया गया। तेरापंथ महिला मंडल व कन्या मंडल द्वारा स्वागत गीतिका प्रस्तुत की गई। अध्यक्ष श्रीमती रत्ना जी मांडोत ने सभी सभा संस्थाओं से पधारे सम्मानीय पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों का हार्दिक आभार एवं स्वागत किया।

मंत्रमुग्ध साध्वी श्री लावण्याश्रीजी ने फरमाया कि आचार्य श्री तुलसी मानव को मानव बनाने वाले मानवता के मसीहा थे। उन्होंने घुंघट में लिपटी नारी को नया मोड़ अभियान द्वारा समाज में प्रतिष्ठित किया ।साध्वी श्री जी ने फरमाया जितना इन मशीनों का उपयोग करेंगे उतनी ही मशीन आप के लिए कार्यकारी सिद्ध होगी।

सभी प्रायोजक परिवार एवं बाहर से पधारे हुए सभी सदस्यों का मोमेंटो द्वारा सम्मान किया गया। education officer CRP श्रीमान रेणुका प्रसाद जी एवं principal श्रीमती मंजुला मैडम ने तेरापंथ महिला मंडल के मानव सेवा कार्य

की सराहना की और बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी।

अध्यक्ष श्रीमती रत्ना जी मांडोत ने स्वयं प्रशिक्षण की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली और संयोजिका के रूप में अकिंताजी पितलिया व पूर्णिमाजी कठोतिया ने अपना सहयोग प्रदान किया। तेरापंथ महिला मंडल टी दासरहल्ली द्वारा 11 मशीनें लगाई गई। संचालन मंत्री नेहाजी चावत ने किया। आभार ज्ञापन सहमंत्री नम्रताजी पितलिया ने किया।

हिंदमोटर

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में नित नए आयामों के साथ निरंतर गतिशील हिंदमोटर महिला मंडल द्वारा समृद्ध राष्ट्र परियोजना के अंतर्गत दिनांक 20 अप्रैल नवरात्रि के पावन अवसर पर भद्रकाली श्री शारदामोनी गर्ल्स हाई स्कूल हिंदमोटर आचार्य तुलसी सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन मंगल मंत्रोचार के साथ किया गया।

इस केंद्र का उद्घाटन शारदा मुनि गर्ल्स हाई स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती सुभद्रा सेन गुप्ता एवं हिंदमोटर महिला मंडल की मंत्री श्रीमती विनीता मालू, उपाध्यक्ष प्रेमलता चोरड़िया, संरक्षिका श्रीमति सुशीला देवी सुराणा, श्री मंजू देवी बोथरा (1) श्रीमती रेणु देवी बरड़िया, कन्या मंडल की सह-संयोजिका निकिता बोथरा के द्वारा की गई। तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संचालित कोष में जिन बहनों ने अपनी प्रशस्त एवं उर्वर सोच रखकर अर्थ का विसर्जन किया उन सभी बहनों का सार्थक प्रयास ही आज एक उन्नत लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक बना।

इस केंद्र का उद्देश्य महिलाओ को आत्मनिर्भर एवं स्वालंबी बनाना है। कोविड महामारी की वजह से इसकी स्थापना वृहद स्तर पर नहीं की गई। लेकिन वृहद उद्देश्य की भावना से शुरू किया केंद्र आगे जाकर विस्तृत पैमाने पर काम करेगा, मशीनों की शुरुआत कुमकुम लगाकर तथा मोली बांधकर की गई। सभी को मिठाई व गुड का वितरण किया गया।

महिला मंडल मंत्री विनिता मालू ने सभी के प्रति कृतज्ञता की भावना व्यक्त करते हुए इस केंद्र की सफलता की कामना की। प्रेमलता चोरड़िया उपाध्यक्ष ने कन्याओं को आगे बढ़ने के बारे बताया। इसके साथ पर्यावरण की करें सुरक्षा प्रोजेक्ट के अंतर्गत वृक्षारोपण का कार्य भी किया और कोविड-19 के तहत मास्क और सैनिटाइजर वितरण का कार्यक्रम का आयोजन भी भद्रकाली श्रीशारदामोनी गर्ल्स हाई स्कूल में किया है।

अप्रैल माह के उत्तर

(अ) मुझे पहचानें।

1. दर्पण	2. पाती	3. श्रमणी परिवार	4. गुरु	5. मोर
6. आचार	7. हंस-महल	8. गुरुकुलवास	9. Detail (डिटेल)	10. नियुक्ति पत्र

(ब) रिक्त स्थान की पूर्ति करें-

1. संक्रमण	2. नीरज	3. लाडनूं	4. आज्ञाचक्र	5. भीतर
6. निकाय	7. प्रशस्त	8. सीमित	9. आचार्य	10. निवेदित

मार्च माह के भाग्यशाली विजेता

इस माह कुल 1715 प्रविष्टियां प्राप्त हुई।

1. श्रीमती मानकंवर जैन - कोप्पल
2. श्रीमती माला सिंघवी - उरण - मुंबई
3. श्रीमती रिद्धिमा गोलेछा - राउरकेला
4. श्रीमती ज्योति हिंगड़ - अहमदाबाद
5. श्रीमती निधि मेहता - बालोतरा
6. श्रीमती रेनू जैन - पंचकुला
7. श्रीमती सुमन जैन - हिसार
8. श्रीमती सृष्टि बैद - दलखोला
9. श्रीमती मधुबाला जैन - रतलाम
10. श्रीमती लता मादरेचा - राजसमंद

श्री कल्याण मंदिर सामूहिक अध्ययन कार्यशाला

श्री कल्याण मंदिर सामूहिक अध्ययन कार्यशाला का शुभारम्भ सत्र, 1 अप्रैल 2021 को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में आयोजित किया गया। जिसमें प्रशिक्षण श्रीमती शिल्पा बैद व उनकी टीम ने दिया।

कोविड-19 का जब जब है कहर गहराया
हम सब को किसी अज्ञात प्रेरणा ने है जगाया
भय की भीषण ज्वाला में दग्ध करने नहीं,
कुछ अनमोल मोतियों को पिरोने है
यह मानव तन पाया !

ऐसी जागृति का आना, कुछ कर पाना,सोच पाना उसका फलित हो जाना ,संभव ही नहीं हो सकता यदि गुरुओं का वरद हस्त किसी के साथ ना हो। 2020 की अप्रैल में भक्तामर अध्ययन की कार्यशालाओं का तांता चला, 2021 के अप्रैल माह में हमने कल्याण मंदिर अध्ययन की प्रथम कार्यशाला में उत्साह से परिपूर्ण ज्ञान-पिपासु श्रद्धालुओं का तांता देखा।

शुभारम्भ सत्र में Zoom व Facebook live के माध्यम से लगभग 1500 लोग live जुड़े !

अ.भा.ते.म.मं की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों की अच्छी उपस्थिति के मध्य मुख्य वक्ता युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कल्याण परिषद् के संयोजक श्रीमान संदीप जी कोठारी ने उत्साहवर्धक वक्तव्य दिया । प्रधान ट्रस्टी जी ने नमस्कार महामंत्र से सत्र की शुरुआत की। दिल्ली की जया जी बोथरा ने सधे हुए सुरीले स्वरों में पार्श्व स्तुति कर मंगलाचरण किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद व महामंत्री ने कल्याण मंदिर को सीखने की दिशा में सभी को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती डॉ. नीना जी कावड़िया ने किया। तकनीकी सहयोग प्रचार प्रसार मंत्री निधि जी सेखानी व सोनम जी बागरेचा से मिला।

अंत में कार्यशाला की संयोजिका एवं प्रशिक्षिका श्रीमती शिल्पा बैद ने कार्यशाला के संचालन पर प्रकाश डाला, भगवान पार्श्व की महिमा मण्डित करते हुए कल्याण मंदिर स्तोत्र के ऐतिहासिक महत्ता पर प्रकाश डाला, उच्चारण शाला व उसके नियोजन में संलग्न युवतियों की टीम की जानकारी दी एवं सभी का आभार ज्ञापन किया ।

जैसी की जानकारी मिली है, सत्र उद्घाटन से लेकर प्रारम्भिक कई सत्रों तक zoom की सीमाओं (1000 सदस्य) का बांध तोड़ने की कगार पर रहा। धर्म की आराधना में ऐसी रुचि अवश्य ही सात्विक गौरव की अनुभूति कराती है। ऋषभ से महावीर तक की तीर्थंकर परम्परा, भिक्षु से महाश्रमण तक की आचार्य परम्परा में ज्ञान का जो खजाना कूट कूट कर भरा है, उसका असंख्यातवां अंश भी हम प्राप्त कर पाएं तो यह मानव जीवन सार्थक हो सकता है।

कल्याण मंदिर सामुहिक अध्ययन कार्यशाला के दो अनूठे उपक्रम

1. ब्रह्म बेला में अमृत पान

सामायिक आराधना - प्रतिदिन प्रातः 4:30-5:30 अनवरत चल रही है ।

लगभग 300 घरों से Zoom की खिड़की से झांकती बहनों के साथ नमस्कार महामंत्र, उपसर्ग हर का जप, ऋषभ, पार्श्व, शांति प्रभु का स्मरण कर दिन की सार्थक शुरुआत का क्रम अनवरत चल रहा है ।

2. नवरात्रि के दिनों में 9:00-9:30 नवान्हिक अनुष्ठान लगभग 170 परिवारों के साथ किया गया ।

नवमी के दिन, अनुष्ठान के प्रारम्भ में साक्षी बनीं विदुषी समणी प्रतिभा प्रज्ञाजी ने इतिहास के आइने में गुरु त्रय का स्मरण किया अनुष्ठान के हार्द को स्वयं गुरुओं के मुखारविंद से समझने के अद्भुत अनुभव से सबका साक्षात्कार करवाया एवं सभी पद्यों का सार समझाया। 275 के लगभग Zoom की खिड़कियों से वंदामि नमंसामि के स्वरों के साथ अनुष्ठान की भव्य परिसम्पन्नता हुई ।

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी
मई 2021

संदर्भ पुस्तक – चैतन्य रश्मि कनकप्रभा (पृष्ठ संख्या 90 से 125)

(अ) नीचे दिये गए वाक्य में एक शब्द गलत है उसे सही करें –

1. आचार्य श्री महाप्रज्ञ एक वैज्ञानिक दृष्टि सम्पन्न धर्मगुरु थे।
2. मोमासर आये आज सात दिन हो गए है।
3. दृष्टि – कमलता विवेकः
4. अहिंसा साधना का परम उद्देश्य है मुक्ति।
5. छोटा-मोटा संत न छोडै महाश्रमणी री लार।
6. साहित्य-सृजन और व्याकरण-संपादन का काम भी अति महत्वपूर्ण है।
7. भावकों के निर्माण की कला भी उनकी विलक्षण है।
8. साध्वी प्रमुखाओं की गौरवमयी परंपरा में साध्वी प्रमुखा छठी मजबूत कड़ी है।
9. आज वे केवल साध्वीश्री ही नहीं है।
10. उनका वाणी संयम भी अच्छी कोटि का है।

(ब) रिक्त स्थान की पूर्ति करें –

1. अध्यात्म है ..... विद्या।
2. ..... सुषमा बढ़ी भारी।
3. कुछ व्यक्ति ..... शक्ति वाले होते है।
4. अगर कोई कमी है तो इतनी ही है कि यह बहुत ..... है।
5. उनका ..... संयम, वाणी – संयम, और उपधि – संयम अनुत्तर है।
6. पद से नहीं प्रवर्तिनी, प्रवर्तिनी .....।
7. एक नेतृत्व की ..... बनी रहेगी।
8. उभरी ..... भरी उमंग।
9. ..... जीवन मुझे अच्छा लगता है।
10. आपकी निर्णायक ..... गजब की है।

नोट :
- प्रश्नों के उत्तर Google Form के द्वारा भेजने रहेंगे। अंतिम तिथि 25 मई 2021 है।
- Google Form की Link आपको Team Group में प्रेषित कर दी जायेगी।
- सभी शाखा के अध्यक्ष/मंत्री से अनुरोध है कि Link अपनी शाखा के सदस्यों तक पहुँचाये।
- प्रश्नोतरी में संभागी बहिनों से अनुरोध है कि Link के लिए अपने अध्यक्ष/मंत्री से सम्पर्क करें।
- अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें –

श्रीमती मधु देरासरिया, सूरत
मो. : 9427133069 E-mail : madhujain312@gmail.com

Go Clean !!!
... Instalation of Incinerators

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत पूर्वांचल कोलकाता महिला मंडल द्वारा दिनांक 5 अप्रैल 2021 को डिवाइन नर्सिंग होम के नर्स हॉस्टल की दो बिल्डिंगों में दो इंसीनरेटर्स तथा दिनांक 9 अप्रैल 2021 को सेवा हॉस्पिटल में इंसीनरेटर्स लगाए गए।

अंजु दुगड़-अध्यक्ष श्वेता डाकलिया-मंत्री

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को मिलने वाला अनुदान

9,00,000	तत्त्वज्ञ श्राविका श्रीमती रत्नीदेवी, श्रीमान् सुमतिचन्द - सुमनश्री गोठी द्वारा तत्त्वज्ञान, तेरापंथ दर्शन में सप्रेम भेंट।
2,50,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल दिल्ली द्वारा सप्रेम भेंट।
1,00,000	गुप्त अनुदान।
51,000	स्व. श्रीमान् शुभकरण-कानकवंरी देवी की स्मृति में पुत्र-पुत्रवधु श्रीमान विजय करण दुगड़-हेमलता दुगड़ अहमदाबाद-सरदारशहर द्वारा सप्रेम भेंट।
31,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल लुधियाना द्वारा सप्रेम भेंट।
31,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल वीरगंज नेपाल द्वारा सप्रेम भेंट।
31,000	कमला देवी कालूराम राजू देवी कुण्डलिया दिल्ली द्वारा सप्रेम भेंट।
21,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल तेजपुर द्वारा सप्रेम भेंट।
11,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल शेरपुर द्वारा सप्रेम भेंट।
11,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल समाना द्वारा सप्रेम भेंट।
11,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल धूबड़ी द्वारा सप्रेम भेंट।
5,100	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल सुनाम द्वारा सप्रेम भेंट।
5,100	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल अमलोह द्वारा सप्रेम भेंट।
5,100	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल बुधलाडा द्वारा सप्रेम भेंट।
5,100	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल गोविन्दगढ़ द्वारा सप्रेम भेंट।
5,100	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल पटियाला द्वारा सप्रेम भेंट।
5,100	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल नाभा द्वारा सप्रेम भेंट।
5,100	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल भटिंड़ा द्वारा सप्रेम भेंट।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

अध्यक्षीय कार्यालय : श्रीमती पुष्पा बैद - ''पावन'' बी-106/107, विद्युत नगर-बी, क्वीन्स रोड़, जयपुर - 302021
मो. : 9314194215, 8209004923 ईमेल pushpabaid312@gmail.com

महामंत्री कार्यालय : CA तरूणा बोहरा - 301, साधना पैलेस, मराठा कॉलोनी, दहिसर (पूर्व) मुम्बई - 400068
मो. : 8976601717 ईमेल tarunajain365@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : श्रीमती रंजु लुणिया - लुणिया मार्केटिंग प्रा. लिमिटेड, बड़ा बाजार, छेरा बस स्टॉप के पास, शिलोंग-793001 (मेघालय) मो: 94361033330, 8787645164 ईमेल Implshillong@gmail.com

नारीलोक संपादन सहयोगी : श्रीमती गुलाब बोथरा मो : 9462342976

नारीलोक देखें website : www.abtmm.org